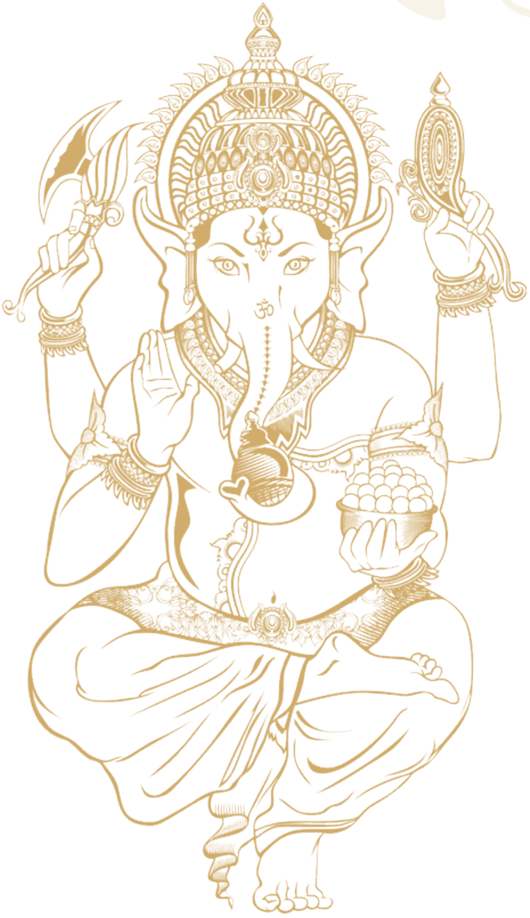

Yogesh

08 Dec 1994

09:00 PM

Bhiwani

Model: web-freekundliweb

Order No: 121488508

लिंग : पुल्लिंग
जन्म तिथि : 08/12/1994
दिन : गुरुवार
जन्म समय : 21:00:00 घंटे
इष्ट : 34:44:27 घटी
स्थान : Bhiwani
राज्य : Haryana
देश : India

अक्षांश	28:50:00 उत्तर
रेखांश	76:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:34:40 घंटे
वेलान्तर	00:08:14 घंटे
साम्पातिक काल	01:43:18 घंटे
सूर्योदय	07:06:13 घंटे
सूर्यास्त	17:28:02 घंटे
दिनमान	10:21:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	22:31:39 वृश्चिक
लग्न के अंश	10:42:43 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	हर्षण
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गोपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	10:42:43	306:29:24	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	---
सूर्य			वृश्चिक	22:31:39	01:00:57	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	07:54:32	13:07:39	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
मंगल			सिंह	05:14:56	00:16:01	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मित्र राशि
बुध		अ	वृश्चिक	19:29:02	01:34:09	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	सम राशि
गुरु			वृश्चिक	06:02:06	00:13:03	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
शुक्र			तुला	12:45:59	00:30:27	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
शनि			कुंभ	12:37:56	00:03:00	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	20:33:48	00:01:53	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	20:33:48	00:01:53	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			मक	00:25:14	00:02:58	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
नेप			धनु	27:57:31	00:01:56	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चिक	04:53:48	00:02:19	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			मेष	04:01:19	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:22

लग्न-चलित

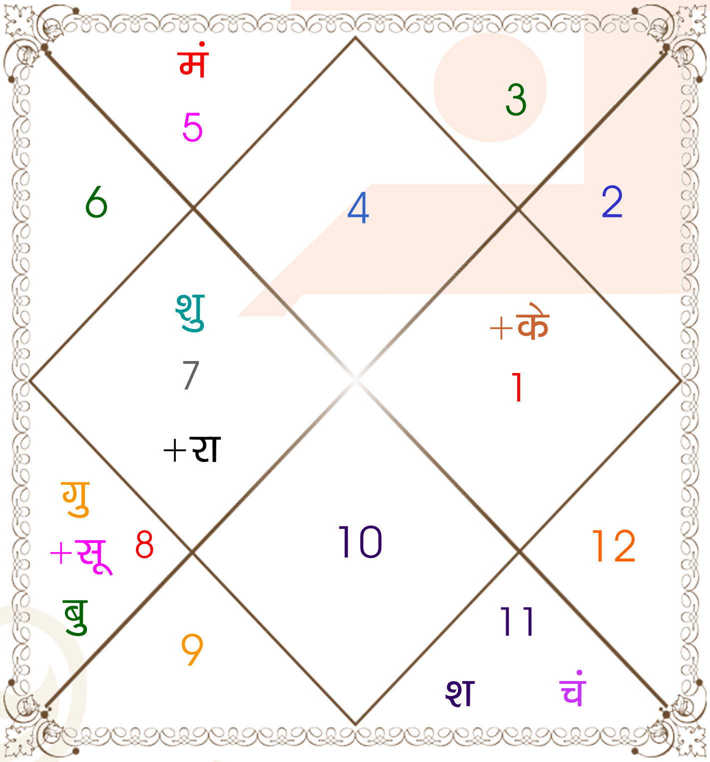

चन्द्र कुंडली

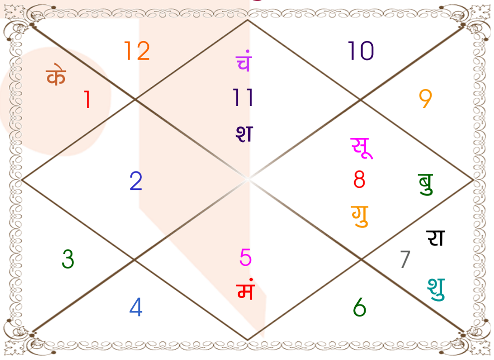

नवमांश कुंडली

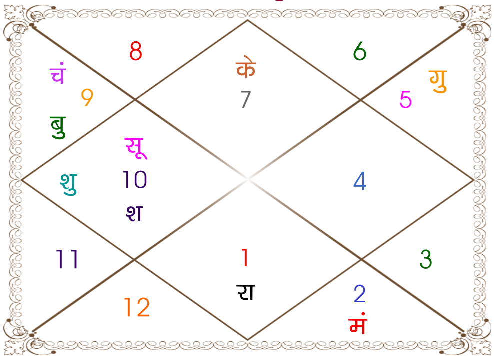

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 16 वर्ष 3 मास 26 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
08/12/1994	05/04/2011	05/04/2027	05/04/2046	05/04/2063
05/04/2011	05/04/2027	05/04/2046	05/04/2063	05/04/2070
राहु 17/12/1995	गुरु 23/05/2013	शनि 08/04/2030	बुध 01/09/2048	केतु 01/09/2063
गुरु 12/05/1998	शनि 05/12/2015	बुध 16/12/2032	केतु 29/08/2049	शुक्र 01/11/2064
शनि 18/03/2001	बुध 12/03/2018	केतु 25/01/2034	शुक्र 29/06/2052	सूर्य 08/03/2065
बुध 05/10/2003	केतु 16/02/2019	शुक्र 27/03/2037	सूर्य 05/05/2053	चंद्र 07/10/2065
केतु 22/10/2004	शुक्र 17/10/2021	सूर्य 09/03/2038	चंद्र 05/10/2054	मंगल 06/03/2066
शुक्र 23/10/2007	सूर्य 05/08/2022	चंद्र 08/10/2039	मंगल 02/10/2055	राहु 24/03/2067
सूर्य 16/09/2008	चंद्र 05/12/2023	मंगल 16/11/2040	राहु 20/04/2058	गुरु 28/02/2068
चंद्र 18/03/2010	मंगल 10/11/2024	राहु 23/09/2043	गुरु 26/07/2060	शनि 08/04/2069
मंगल 05/04/2011	राहु 05/04/2027	गुरु 05/04/2046	शनि 05/04/2063	बुध 05/04/2070

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
05/04/2070	05/04/2090	05/04/2096	06/04/2106	06/04/2113
05/04/2090	05/04/2096	06/04/2106	06/04/2113	00/00/0000
शुक्र 05/08/2073	सूर्य 24/07/2090	चंद्र 03/02/2097	मंगल 02/09/2106	राहु 09/12/2114
सूर्य 05/08/2074	चंद्र 22/01/2091	मंगल 04/09/2097	राहु 21/09/2107	00/00/0000
चंद्र 05/04/2076	मंगल 30/05/2091	राहु 06/03/2099	गुरु 27/08/2108	00/00/0000
मंगल 05/06/2077	राहु 23/04/2092	गुरु 06/07/2100	शनि 05/10/2109	00/00/0000
राहु 04/06/2080	गुरु 09/02/2093	शनि 04/02/2102	बुध 03/10/2110	00/00/0000
गुरु 03/02/2083	शनि 22/01/2094	बुध 07/07/2103	केतु 01/03/2111	00/00/0000
शनि 05/04/2086	बुध 28/11/2094	केतु 05/02/2104	शुक्र 30/04/2112	00/00/0000
बुध 03/02/2089	केतु 05/04/2095	शुक्र 05/10/2105	सूर्य 05/09/2112	00/00/0000
केतु 05/04/2090	शुक्र 05/04/2096	सूर्य 06/04/2106	चंद्र 06/04/2113	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 16 वर्ष 4 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्य नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ। उस क्षण मेदिनीय क्षतिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ तुला राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस लग्नादि प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन स्तर अति समृद्ध, धनयुक्त एवं सम्मानजनक होगा।

आप ईश्वर के प्रति समर्पित अर्थात् पूर्ण श्रद्धावान एवं आस्तिक विचार के होंगे। आप धर्म, अध्यात्म एवं दर्शनशास्त्र की शिक्षा ग्रहण करेंगे। आप अपने सम्पर्क के बहु संख्यक व्यक्तियों के मध्य प्रसिद्ध होंगे। क्योंकि आपकी अभिरूचि स्थायीरूप से धार्मिक है। आप धार्मिक स्थानों का परिभ्रमण एवं परिदर्शन करेंगे तथा अपना धन लोकहित में दान करेंगे।

वास्तव में आप धन संचय करना चाहते हैं। परन्तु आप मात्र विश्वसनीयता पूर्वक ही ऐसा करेंगे। आप 6 वर्ष की आयु से वृद्धि कर आय (प्राप्त) ग्रहण कर सकते हैं।

आपके रूप का प्रमुख लक्षण आपकी सुन्दर आंखों द्वारा प्रकट होता है। आपके प्राधिकृत व्यक्ति जिन के साथ आप व्यवहार कर सकते हैं, वे आपकी आँखों से प्रभावित होकर आपको तथा आपके कार्यकलाप को पसन्द करते हैं।

यह सत्यापित है कि आपकी सम्मोहक आखें आपको प्यार सम्बंध की ओर प्रवृत कर सकता है। जिस झुकाव के कारण आपके परिवार की नैया अन्य धारा की ओर (झुक) प्रवाहित हो (मुड जा) सकती है। जिस वजह से आपके परिवारिक प्राणी यथा आपकी पत्नी एवं बच्चों के समक्ष परम संकट उपस्थित हो सकता है।

आपकी उतेजक मनोदशा, आपकी पत्नी के साथ अपराध उजागर कर सकता है। परिणाम स्वरूप निरन्तर आप लोगों का मतान्तर बढ़ता जाएगा-अस्तु उत्तम तो यह है कि आप इस प्रकार की प्रवृति का त्याग कर दें।

आप जलीय व्यवसाय को बहुत पसन्द करते है तथा जल संबंधी व्यापार का ही चयन करना उत्तम भी होगा। आपको अच्छी प्रकार जलीय व्यवसायों ही ग्रहण कर उत्तम पेशा से उन्नति प्राप्त करना ठीक होगा। जैसे सिचाई विभाग, कृषि कार्य, जहाजरानी से सम्बंधित कार्य, तटबंध एवं नहर आदि सिचाई विभाग के कार्य अनुकूल है।

आप प्रभावशाली अस्तित्व प्राप्ति हेतु राजनीति एवं सामान्य प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु सतत प्रयासरत रह सकते हैं।

प्रायः आप ऐसे परिवर्त्तनशील विचार के प्राणी है कि आप अन्वेषण कर, अपनी दैनिक चर्चा परिवर्तित कर जीवन की चर्या को सुधार सकते हैं।

आप उपयुक्त समय पर किसी भी प्रकार की यात्रा का सुअवसर अवश्य प्राप्त करेगें क्योंकि आप विस्तृत परिमाण में अपने मित्रों की संख्या रखना चाहते हैं तथा उन्हें अपना शुभचिन्तक बनना चाहेंगे। ताकि वे पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग कर सकें।

आप में उच्च श्रेणी की व्यग्रता विद्यमान रहती है जो आपके चिड़-चिड़ेपन का द्योतक है। आपको अपने इस गम्भीर उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति सतर्क रह कर शीघ्रतापूर्वक त्याग कर देना चाहते हैं। परन्तु आप शीघ्रतापूर्वक पुनः शान्ति एवं सामंजस्य नहीं करेंगे।

कर्क राशि विद्यमान के अनुसार हृदय एवं उदर सम्बंधी अपाचनिक क्रिया-कलाप के प्रति पूर्णरूपेन सर्तकता बरतें। आधुनिक भोजन सम्बंधी अति भोजन की प्रवृति को त्याग दें तथा अति मद्यपान की प्रवृति का त्याग करना भी आपके लिए सहायक होगा। आप सदैव ही दमा रोग, गलगण्ड रोग के संक्रमण, वायु विकार, अल्सर एवं कैंसर रोग के प्रति सर्तक रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

वास्तव में अंकों में अंक 4 एवं 6 अंक आपके लिए प्रभावशाली एवं अनुकूल है। परन्तु यह स्पष्ट है कि अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए त्याज्य है। आपके लिए अनुकूल रंग, सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए। आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए।